'परिश्रम से पद मिलता है और सेवा भाव से आमजन के हृदय में स्थान'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया नवनियुक्त लोक सेवकों से संवाद

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नव नियुक्त लोक सेवक जनता की समस्याओं को सुने, गहराई से समझे और पूरी तत्परता से सुलझाएं। यही मंत्र एक सफल, सम्मानित और लोकप्रिय अधिकारी की सच्ची पहचान है। जिस विभाग में जाएं, वहां की जमीनी हकीकत को ध्यान से समझें और समाधान की दिशा में सही कदम बढ़ाएं। जनता की हर शिकायत और आवेदन का निर्धारित समय-सीमा में समाधान हो। यह लोक सेवकों का प्रमुख दायित्व भी है। शर्मा रविवार को बिडला सभागार में राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाओं के नवनियुक्त लोक सेवकों से संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिश्रम वह सीढ़ी है, जो पद तक तो ले जाती है किंतु सेवाभाव वह नींव है, जो लोक सेवक को आमजन के दिलों में सदा के लिए स्थाई बनाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सबसे पहले पेयजल व सिंचाई की आवश्यकता की पूर्ति के लिए परियोजनाओं पर काम प्रारंभ किया गया, जिससे आमजन, किसान और उद्योगों की जल आवश्यकता की पूर्ति की जा सके। इसी क्रम में राम जलसेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधीकैनाल व गंगनहर, देवास परियोजना जैसे अनेक प्रोजेक्ट्स पर निरंतर काम किया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि ऊर्जा की दूसरी बड़ी आवश्यकता की पूर्ति के लिए हमारी सरकार ने केन्द्र सरकार के साथ 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू किए, जिन पर काम हो रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है, जिससे किसान को दिन में और आमजन व उद्योगों को भी भरपूर बिजली मिलेगी। फिलहाल 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरी देने के वादे को पूरा करने के क्रम में अब तक 1.25 लाख से अधिक पदों पर युवाओं को नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। 1 लाख 35 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। वहीं, 1.25 लाख पदों पर भर्ती का कैलेण्डर भी जारी किया है।

उन्होंने कहा कि युवा नौकरी लेने वाला नहीं, बल्कि देने वाला बने, इसके लिए युवा नीति जारी की गई है। वहीं, राइजिंग राजस्थान के एमओयू के धरातल पर उतरने से लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि, उद्योग, पर्यटन, नवीकरणीय ऊर्जा और इन्फ्रास्ट्रक्चर हर क्षेत्र में युवा अधिकारियों की सोच, नवाचार और असीमित ऊर्जा की जरूरत है।

संवाद कार्यक्रम में कुशल चौधरी, हरकंवर माली, राजश्री पारीक, मुकेश कीर, नेहा जैन और आनन्द पटेल ने राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के सफर और व्यक्तिगत अनुभव मुख्यमंत्री के साथ साझा किए। प्रदेश में पेपरलीक पर लगाम लगाने और समय से भर्ती परीक्षाएं आयोजित कर नियुक्ति देने के लिए सभी नवनियुक्त लोकसेवकों ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में राज्य सरकार प्रदेश को कृषि क्षेत्र में अग्रणी, औद्योगिक निवेश का केन्द्र, हरित ऊर्जा एवं पर्यटन का वैश्विक केन्द्र बनाने की दिशा में पूर्णप्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने संवाद कार्यक्रम में नवनियुक्त लोक सेवकों को सुशासन की शपथ दिलवाई। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, महानिदेशकहरीशचन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान श्रेया गुहा, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए. सावंत, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, शासन सचिव कार्मिक अर्चना सिंह सहित राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2023 के चयनित लोक सेवक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को बिडला सभागार में राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाओं के नवनियुक्त लोक सेवकों से संवाद किया।

- जनता की समस्याओं को गहराई से सुनकर तत्परता से सुलझाएं : सीएम
- प्रदेश में पानी, ऊर्जा और रोजगार के क्षेत्र में हुए उल्लेखनीय कार्य : भजनलाल शर्मा
- पेपरलीक पर लगाम लगाने और समय सीमा में भर्ती के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार
- विभिन्न सेवाओं के नवनियुक्त लोक सेवकों ने मुख्यमंत्री से साझा किए अनुभव

मुख्य सचिव ने किया सांगानेर सीईटीपी और द्रव्यवती क्षेत्र का निरीक्षण

प्रदूषण नियंत्रण मंडल को दोषी उद्योगों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को सांगानेर स्थित कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) एवं द्रव्यवती नदी क्षेत्र का निरीक्षण किया।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को सांगानेर स्थित कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) एवं द्रव्यवती नदी क्षेत्र का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने सांगानेर एनवायरों प्रोजेक्ट डेवलपमेंट को ब्राह्मणों की ग्वार में प्रस्तावित पंपिंग स्टेशन का निर्माण शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि शेष 134 उद्योगों को सीईटीपी से जोडा जा सके। उन्होंने सीईटीपी संचालन में आ रही तकनीकी खामियों के समाधान के लिए समयबद्ध कार्ययोजना प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने नियमों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल को प्रभावी कदम उठाने को कहा, ताकि द्रव्यवती नदी में प्रदूषित जल प्रवाह की समस्या का स्थायी समाधान हो सके। साथ ही सीईटीपी से जुड़े सभी वस्त्र प्रसंस्करण उद्योगों को मंडल से अनिवार्य अनुमति लेकर ही संचालन करने के निर्देश दिए गए।

सांगानेर एनवायरों प्रोजेक्ट डवलपमेंट के निदेशक प्रवीण शाह ने बताया कि 12.3 एमएलडी क्षमता वाले सीईटीपी से वर्तमान में 892 में से 758 वस्त्र प्रसंस्करण उद्योग जुड़े हैं, जबकि शेष उद्योग पंपिंग स्टेशन निर्माण के बाद जोड़े जाएंगे। यह निरीक्षण 28 मार्च को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना में किया गया। इस दौरान राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, जयपुर विकास प्राधिकरण और नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस का प्रायोगिक ठहराव शुरू

सांसद मंजू शर्मा और विधायक कालीचरण सराफ ने वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

जयपुर । उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल में गांधीनगर जयपुर रेलवे स्टेशन पर जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस का प्रायोगिक ठहराव रविवार से शुरू हो गया। इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा और विधायक कालीचरण सराफ ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक पूजा मित्तल के अनुसार यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जोधपुर-दिल्ली कैंट-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस (सप्ताह में छह दिन) का गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर अस्थायी रूप से ठहराव दिया गया है। निर्धारित समयानुसार गाड़ी संख्या 26481 जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह 09:34 बजे गांधीनगर जयपुर पहुंचेगी और 09:36 बजे प्रस्थान करेगी। वहीं गाड़ी संख्या 26482 दिल्ली कैंट-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस शाम 18:37 बजे आगमन और 18:39 बजे प्रस्थान करेगी। कार्यक्रम में मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. जगदीश कुमार, रेलवे अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा मीडिया कर्मी उपस्थित रहे।

चालान काटने पर परिवहन अधिकारी से हाथापाई

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में एक निजी ट्रेवल्स एजेंसी के संचालक को परिवहन विभाग की कार्रवाई इतनी नागवार गुजरी की उसने हाईवे पर बस लगाकर मुख्य मार्ग जाम कर दिया और आरटीओ इंस्पेक्टर से हाथापाई कर दी। ट्रेवल्स एजेंसी संचालक ने अपना पॉलिटिकल पावर का हवाला देते हुए परिवहन विभाग के अधिकारी को सस्पेंड करवाने की धमकी दी। जिसके बाद आरटीओ इंस्पेक्टर ने थाने पहुंच ट्रेवल्स एजेंसी संचालक के खिलाफ राजकार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि आरटीओ जयपुर-फर्स्ट देवेन्द्र सिंह (37) ने मामला दर्ज कराया है कि 27 मार्च की रात उडन दस्ते पर जवानों के साथ वह ड्यूटी पर तैनात थे। रात करीब 10 बजे ट्रांसपोर्ट नगर के रोटरी सर्किल पर उडनदस्ते की ओर से वाहनों की चैकिंग की जा रही थी। जयपुर से ऋषिकेश जा रही रिंकू ट्रेवल्स की सवारियों से भरी बस को चैकिंग के लिए रोका गया। बस रोकते ही उडनदस्ते पर तैनात स्टाफ से ड्राइवर अरुण सिंह और उसके साथी दिनेश ने गाली-गलौज कर बदसलूकी की। दोनों आरोपियों की ओर से धमकाकर चालान कार्रवाई करने से रोका।

जयपुर एयरपोर्ट पर 'उडान यात्री कैफे' शुरू

जयपुर । जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुविधा के लिए 'उडान यात्री कैफे' की शुरुआत की गई है, जहां मात्र 10 रुपये में रिफ्रेशमेंट उपलब्ध कराया जाएगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने रविवार को इसका वर्चुअल उद्घाटन किया।

एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 के प्री-चेक-इन प्रस्थान क्षेत्र में शुरू किए गए इस कैफे में यात्रियों को पानी, चाय, कॉफी, स्नैक्स सहित अन्य खाद्य पदार्थ किफायती दरों पर उपलब्ध होंगे। इस पहल का उद्देश्य हवाई यात्रा को आम और मध्यम वर्ग के लिए अधिक सुलभ और किफायती बनाना है।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'उडान यात्री कैफे' सरकार की उस सोच का हिस्सा है, जिसके तहत हवाई यात्रा को आसान और सभी वर्गों के लिए सुलभ बनाया जा रहा है।

- यात्रियों को मात्र 10 रुपए में मिलेगा रिफ्रेशमेंट

उन्होंने कहा कि किफायती दरों पर आवश्यक खाद्य और पेय पदार्थ उपलब्ध कराकर यह पहल यात्रियों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करेगी। एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार यह पहल 'उडान' योजना को मजबूती देने के साथ ही यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे एयरपोर्ट सेवाएं अधिक समावेशी बनेंगी।

उद्घाटन के दौरान मुख्य हवाई अड्डा सुरक्षा अधिकारी नवीन भगत, इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारी सैरेम सरत कुमार, सीआईएसएफ के उप कमांडेंट देवराज और मुख्य हवाई अड्डा अधिकारी अनिमेष भट्ट सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट राज्य का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है।

वित्त वर्ष 2024-25 में यहां 60 लाख से अधिक यात्रियों की आवाजाही दर्ज की गई, जबकि प्रतिदिन करीब 120 उडानों का संचालन होता है।

शातिर नकबजन पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। विद्याधर नगर पुलिस ने एक शातिर नकबजन को गिरफ्तार कर चोरी की बड़ी वारदात का खुलासा किया है। पकड़ा गया आरोपी इतना शातिर है कि उस पर जयपुर के अलग-अलग थानों में नकबजनी और चोरी के करीब दो दर्जन मामले पहले से दर्ज हैं। आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि वह अपने महंगे शौक और मौज-मस्ती के लिए सूने मकानों को निशाना बनाता था। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि विद्याधर नगर थाना पुलिस ने एक शातिर नकबजन निखिल तलवार (48) निवासी बगरू हाल खानाबदोश जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ मालवीय नगर, शिप्रापथ, महेश नगर, वैशाली नगर, सांगानेर, ज्योति नगर और चित्रकूट सहित कई थानों में 20 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह कई मामलों में वांछित भी चल रहा था।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह केवल अपनी सुख-सुविधाओं और शौक को पूरा करने के लिए चोरी करता था। पुलिस अब आरोपी से अन्य वारदातों और चोरी के माल की बरामदगी के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है।

उर्वरकों के संतुलित उपयोग व जैविक खेती को बढ़ावा देने पर चर्चा

जयपुर । खरीफ-2026 के दौरान उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग को बढ़ावा देने, जैविक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल ने पंत कृषि भवन में हाईब्रिड मोड में राज्य स्तरीय बैठक ली।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। इसमें यूरिया 3.76 लाख मीट्रिक टन, डीएपी 83 हजार मीट्रिक टन, एनपीके 66 हजार मीट्रिक टन एवं एसएसपी 1.97 लाख मीट्रिक टन शामिल हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। केन्द्र आगामी खरीफ के लिए राज्य को 11 लाख मीट्रिक टन यूरिया , 5.10 लाख मीट्रिक टन डीएपी , 4 लाख मीट्रिक टन एसएसपी एवं 1.50 लाख मीट्रिक टन एनपीके आपूर्ति करेगा।

उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों को नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश का संतुलित अनुपात में उपयोग करने के साथ-साथ सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व के बारे में भी जागरूक किया जाए। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के विकल्प जैसे हरी खाद, कंपोस्ट, देसी खाद, जैविक उर्वरक, फसल चक्र में दलहनी फसलों के उपयोग, फसल अवशेष प्रबंधन, प्राकृतिक व जैविक खेती की विधियों पर जोर देते हुए कहा कि इससे न केवल मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट आ रही है, जिसे रोकना अत्यंत आवश्यक है।

बैठक में कृषि आयुक्त चिन्मयी गोपाल, निदेशक हिरेंद्र कुमार शर्मा, अतिरिक्त निदेशक कृषि (प्रशासन) हुशियार सिंह, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एस.एस.शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल, अतिरिक्त निदेशक कृषि (अनुसंधान) अजय कुमार पचौरी सहित सभी आईसीएआर संस्थानों के प्रभारी अधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रभारी, कृषि विश्वविद्यालयों के प्रसार शिक्षा निदेशक, खण्डीय अतिरिक्त निदेशक कृषि, संयुक्त निदेशक कृषि एवं जिला परिषदों के प्रतिनिधियों ने वी सी के माध्यम से भाग लिया।

कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल ने पंत कृषि भवन में राज्य स्तरीय बैठक ली।